

लेदर-फुटवियर सेक्टर की चुनौतियों के समाधान के लिए सरकार प्रतिबद्ध: मनोज कुमार सिंह

■ **स्टेट ट्रांसफॉर्मेशन कमीशन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने किया 18वें 'मीट एट आगरा' का उद्घाटन**

■ **भारत-चीन सहित 11 देशों की सहभागिता, चाइना पवेलियन बना आकर्षण का केंद्र**

○ **टीएनएफ टुडे, आगरा।**

फुटवियर कंपोनेंट्स, मटीरियल्स, मशीनरी, तकनीक और औद्योगिक सहयोग को समर्पित 18वें ह्यमीट एट आगराह्म का शनिवार को आगरा ट्रेड सेंटर, सींगना में भव्य शुभारंभ हुआ। तीन दिवसीय फेयर का उद्घाटन मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश स्टेट ट्रांसफॉर्मेशन कमीशन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज कुमार सिंह ने एवं आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने घंटा एवं संख ध्वनि के साथ किया। उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए मनोज कुमार सिंह ने



कहा कि आगरा का लेदर एवं फुटवियर उद्योग प्रदेश की अर्थव्यवस्था, निर्यात और रोजगार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। बदलते वैश्विक कारोबारी परिदृश्य में उद्योग को नई तकनीक, गुणवत्ता, डिजाइन, उत्पादकता और कौशल विकास पर विशेष ध्यान देते हुए अपनी वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता को मजबूत करना होगा।

उन्होंने बताया कि लेदर सेक्टर से जुड़े विषयों और चुनौतियों के समाधान के लिए उनके नेतृत्व में एक समिति का गठन किया गया है।

संस्कृत सिर्फ एक प्राचीन भाषा नहीं, भारतीय ज्ञान, संस्कृति और संस्कारों की समृद्ध परंपरा की संवाहक है। संस्कृत हमारी शक्ति और पहचान है। इसे उसका पुराना सम्मान दिलाने के लिए मजबूती से सामूहिक प्रयास करने होंगे। साथ ही संस्कृत के साथ अन्य विदेशी भाषाओं का ज्ञान अर्जित कर भारतीय वैदिक ज्ञान को विश्व स्तर तक पहुंचाया जा सकता है। यह विचार डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. आशु रानी जी ने शनिवार को कन्हैयालाल माणिकलाल मुंशी हिंदी तथा भाषा विज्ञान विद्यापीठ में आयोजित आगरा मंडल स्तरीय संस्कृत प्रतिभा खोज प्रतियोगिताओं के दौरान व्यक्त किए।

उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ (भाषा विभाग, उत्तर प्रदेश शासन के अधीन) के सहयोग से आयोजित प्रतियोगिताएं तीन अक्टूबर को सुबह 10 बजे से शाम चार बजे तक चलीं। इनमें आगरा, मथुरा, फिरोजाबाद और मैनपुरी के संस्कृत विद्यालयों के साथ अन्य विद्यालयों, महाविद्यालयों एवं संस्कृत पाठशालाओं के 60 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।



कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. आशु रानी ने कहा कि यदि हमें ईश्वर से संवाद करना है तो संस्कृत का ज्ञान होना चाहिए। संस्कृत हमारी ताकत और पहचान है। संस्कृत में श्रेष्ठता हासिल करने के साथ अंग्रेजी, रूसी, फ्रेंच, जर्मन आदि भाषाओं का ज्ञान भी जरूरी है। इससे भारतीय वैदिक ज्ञान और साहित्य को विदेशी भाषाओं के माध्यम से दुनिया तक पहुंचाया जा सकेगा। जब विदेशी भी वेदों में निहित ज्ञान को समझने के लिए भारतीय ज्ञान परंपरा का सहारा लेने को विवश हो जाएं, तभी संस्कृत को विश्व स्तर पर स्थापित करने के प्रयास सार्थक होंगे। विश्वविद्यालय के शताब्दी वर्ष में संस्कृत को समर्पित बड़ा आयोजन जल्द कराया जाएगा, उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान की

संचालन समिति के सदस्य लव शुक्ल ने विश्वविद्यालय को आयोजन के लिए धन्यवाद देते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों में संस्कृत के प्रति रुचि, उत्साह और अनुराग पैदा करने का प्रभावी माध्यम हैं। संस्कृत गीत, श्लोक और सामान्य ज्ञान जैसी प्रतियोगिताओं के माध्यम से विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिलता है और भारतीय ज्ञान परंपरा के प्रति गौरव की भावना विकसित होती है। संस्थान के निदेशक प्रो. प्रदीप श्रीधर ने कहा कि संस्कृति के माध्यम से व्यक्ति अपनी जड़ों से जुड़ा रहता है। यही हमारी मूल परंपरा है और इसके मार्गदर्शन से ही समाज आगे बढ़ता है। संस्थान के निरंतर प्रयासों का परिणाम है

वॉइस ऑफ स्कूल एसोसिएशन (VOSA) ने एमएलसी चुनाव हेतु घोषित किए प्रत्याशी

आगरा निर्वाचन स्नातक सीट से प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राहुल राज और शिक्षक सीट से मदन मोहन शर्मा का नाम तय

○ **टीएनएफ टुडे, आगरा।**

वॉइस ऑफ स्कूल एसोसिएशन के तत्वावधान में होटल ब्रज भोग, आगरा में शनिवार शाम एक प्रेस वार्ता का सफल आयोजन किया गया। इस प्रेस वार्ता के दौरान आगामी विधान परिषद (एमएलसी) चुनाव में शिक्षक एवं स्नातक सीट पर अपने प्रत्याशियों के समर्थन और उम्मीदवारी की घोषणा की गई। संगठन के सभी सम्मानित सदस्यों की सर्वसम्मति के बाद प्रत्याशियों की आधिकारिक सूची जारी की गई।

प्रेस वार्ता में जानकारी देते हुए बताया गया कि आगरा निर्वाचन स्नातक सीट से एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राहुल राज को सभी सदस्यों के समर्थन से श्डरअ का समर्थित प्रत्याशी घोषित किया गया है। वहीं दूसरी ओर, शिक्षक सीट के लिए श्डरअ के शिक्षक प्रकोष्ठ के प्रभारी मदन मोहन शर्मा के नाम की घोषणा की गई है।

12 जिलों में जोर-शोर से चल रही चुनावी तैयारियाँ

एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने



बताया कि वॉइस ऑफ स्कूल एसोसिएशन से जुड़े 12 जिलों के सभी स्कूलों द्वारा हर स्तर पर चुनावी तैयारियाँ तेज कर दी गई हैं। संगठन द्वारा हर पोलिंग बूथ पर बूथ कमेटियों का गठन किया जा रहा है। बूथ कमेटियों और चुनाव प्रबंधन का संपूर्ण प्रभार संगठन की सक्रिय सदस्य नीलम तिवारी को सौंपा गया है।

पूरे चुनाव क्षेत्र को विभिन्न जोन में विभाजित कर जिम्मेदारियों बाँटी गई हैं। इसके साथ ही, चुनावी प्रक्रिया को सुचारु रूप से संचालित करने के लिए जिला प्रभारियों की सूची भी जारी कर दी गई है, जो अपने-अपने जिलों में चुनावी गतिविधियों पर नजर रखेंगे।

UGC कानून के विरोध और रोलबैक के समर्थन में 'वॉइस ऑफ स्कूल एसोसिएशन' ने उतारे अपने प्रत्याशी 'वॉइस ऑफ स्कूल एसोसिएशन' के अध्यक्ष डॉ. राहुल राज ने यूजीसी के वर्तमान कानून का कड़ा विरोध करते हुए उसको वापस लेने की मांग को लेकर अपना समर्थन जताया है। उनका कहना है कि यूजीसी के नए नियमों एवं प्रावधानों के कारण छात्र-छात्राओं के बीच भेदभाव बढ़ रहा है और समाज में सर्वाण व दलित वर्ग के बीच एक खाई खिंची जा रही है।

उन्होंने कहा कि इस कानून के कई प्रावधानों के चलते सवर्ण छात्र-छात्राएँ खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। स्थिति इतनी चिंताजनक है कि छात्रों में मानसिक तनाव और आत्महत्या जैसा आत्मघाती कदम उठाने का खतरा भी मंडरा रहा है। इस स्थिति को देखते हुए संगठन ने UGC कानून को पुनः विचार कर वापस लेने की मांग पुरजोर तरीके से उठाई है।

चुनाव मैदान में प्रत्याशी उतारने का निर्णय:

इस मुद्दे पर राजनीतिक दलों द्वारा समर्थन जताने के साथ ही 'वॉइस ऑफ स्कूल एसोसिएशन' ने अपने दोनों प्रत्याशियों को चुनावी मैदान में उतारने का ऐलान किया है। संगठन का मुख्य उद्देश्य यह है कि सवर्ण समाज और छात्रों में व्याप्त आक्रोश

को वोट के माध्यम से अभिव्यक्त किया जा सके और सरकार तक यह संदेश पहुँचाया जा सके कि बनाया गया कानून गलत है। UGC रोलबैक ही इस चुनाव में संगठन का मुख्य मुद्दा रहेगा।

सूची जारी व प्रमुख उपस्थिति:

महासचिव अतुल कुलश्रेष्ठ ने इस प्रत्याशी सूची पर हस्ताक्षर कर इसे आधिकारिक रूप से जारी किया। इस अवसर पर संगठन के प्रवक्ता योगेश कुलश्रेष्ठ, के. के. सिंह, सोनिया सिंह, दिलीप जौहरी, रोमा परमार, इंदु सिंह, वीरेंद्र सिंह, अनुराग श्रीवास्तव, संदेश शर्मा, नकुल सारस्वत, अंकुर शंकर गौतम सहित कई प्रमुख सदस्य एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

वित्तविहीन शैक्षिक संस्थानों का संगठन 'वोसा' इस बार बिगाड़ सकता है राजनीतिक दलों के समीकरण वित्तविहीन शैक्षिक संस्थानों का संगठन 'वोसा' आगामी विधान परिषद (एमएलसी) चुनावों में उत्तर प्रदेश की सभी स्नातक और शिक्षक निर्वाचन सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारने जा रहा है। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. राहुल राज ने

यह महत्वपूर्ण घोषणा की है। राहुल राज ने अपने संबोधन में कहा कि हर वर्ष अन्य राजनीतिक दल उन नेताओं को स्नातक और शिक्षक सीटों से टिकट दे देते हैं, जिन्हें विधानसभा या लोकसभा चुनावों में टिकट नहीं मिल पाता या जो वहाँ से चुनाव नहीं लड़ पाते हैं। ऐसे प्रत्याशियों का शिक्षकों की वास्तविक समस्याओं या स्नातक और कॉलेजों के मुद्दों से दूर-दूर तक कोई सरोकार नहीं होता। वे न तो इन समस्याओं के बारे में जानते हैं और न ही कभी सदन या जनमंच पर इन मुद्दों को उठा पाते हैं।

उन्होंने स्पष्ट किया कि इतिहास में पहली बार वित्तविहीन शिक्षक संगठन से जुड़े सच्चे प्रतिनिधि स्वयं चुनावी मैदान में उतरने जा रहे हैं। डॉ. राहुल राज ने कहा, चुनावी परिणाम चाहे जो भी हों, लेकिन यह कदम निश्चित रूप से मौजूदा राजनीतिक समीकरणों को बदलने का काम करेगा।

संगठन के इस फैसले से आगामी स्नातक और शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के चुनावों में मुकाबला बेहद रोचक और कड़ा होने की संभावना है।

किण्वित जैविक खाद अपनाकर बढ़ाएं मृदा उर्वरता और फसल उत्पादन : प्रो. राजवीर सिंह

○ **टीएनएफ टुडे, आगरा।**

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर), नई दिल्ली के सस्य विज्ञान संभाग द्वारा संचालित किण्वित जैविक खाद (FOM) से समृद्ध मिट्टी, स्वस्थ फसल, स्वस्थ किसान और समृद्ध कृषि परियोजना के अंतर्गत कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके), बिचपुरी, आगरा में प्रशिक्षण एवं भ्रमण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में आगरा जनपद के लगभग 50 किसानों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता कर किण्वित जैविक खाद, मृदा स्वास्थ्य, कृषि वानिकी एवं वैज्ञानिक खेती की नवीन तकनीकों की जानकारी प्राप्त की।

यह परियोजना सस्य विज्ञान संभाग, आईसीएआर-आईएआरआई, नई दिल्ली के परियोजना समन्वयक डॉ. एस.एस. राठौर तथा मृदा विज्ञान संभाग, आईसीएआर-आईएआरआई, नई दिल्ली के प्रो. (डॉ.) वी.के. शर्मा के कुशल मार्गदर्शन एवं दिशा-निर्देशन में संचालित की जा रही है।



परियोजना का उद्देश्य किसानों तक किण्वित जैविक खाद (FOM) की वैज्ञानिक तकनीक पहुँचाकर मृदा स्वास्थ्य में सुधार, फसल उत्पादकता में वृद्धि तथा टिकाऊ कृषि को बढ़ावा देना है।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रो. (डॉ.) राजवीर सिंह, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, सस्य विज्ञान विभाग, राजा बलवंत सिंह कॉलेज, बिचपुरी, आगरा ने कहा कि किण्वित जैविक खाद (FOM) के नियमित प्रयोग से मिट्टी में जैविक कार्बन एवं लाभकारी सूक्ष्मजीवों की संख्या बढ़ती है, जिससे मृदा की उर्वराशक्ति में सुधार होता है। उन्होंने बताया कि इससे फसलों की वृद्धि, उत्पादन एवं गुणवत्ता में वृद्धि होती है, रासायनिक

उर्वकों पर निर्भरता कम होती है तथा खेती की लागत में कमी आती है। उन्होंने किसानों से संतुलित पोषण प्रबंधन एवं वैज्ञानिक कृषि तकनीकों को अपनाने का आह्वान किया।

प्रो. संत बहादुर सिंह ने स्वस्थ मिट्टी के संरक्षण, जैविक खेती एवं प्राकृतिक संसाधनों के वैज्ञानिक उपयोग पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि टिकाऊ कृषि के लिए मृदा स्वास्थ्य का संरक्षण अत्यंत आवश्यक है। डॉ. विश्वनाथ मिश्र, उद्यान विज्ञान विभाग ने कृषि वानिकी, बागवानी आधारित खेती एवं फसल विविधीकरण के लाभों पर व्याख्यान देते हुए बताया कि कृषि प्रणाली में वृक्षों एवं उद्यानिकी फसलों का समावेश किसानों की आय बढ़ाने के

साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण, भूमि की उर्वरता तथा जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

कार्यक्रम में यंग प्रोफेशनल श्री सुमित भदौरिया, श्री संदीप सिंह एवं श्री हरीश धनगर तथा कृषि छात्रों ने सक्रिय सहभागिता की। प्रतिभागियों ने किण्वित जैविक खाद की निर्माण विधि, उसके उपयोग, मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन तथा आधुनिक कृषि तकनीकों की व्यावहारिक जानकारी प्राप्त की और विशेषज्ञों से विभिन्न कृषि विषयों पर चर्चा कर अपनी जिज्ञासाओं का समाधान कराया।

कार्यक्रम का सफल संचालन यंग प्रोफेशनल श्री हरीश धनगर द्वारा किया गया। अंत में किसानों ने प्रशिक्षण को अत्यंत उपयोगी एवं जानवर्धक बताते हुए वैज्ञानिकों का आभार व्यक्त किया। विशेषज्ञों ने किसानों से जैविक एवं वैज्ञानिक खेती को अपनाकर हस्वस्थ मिट्टी, स्वस्थ फसल, स्वस्थ किसान और समृद्ध कृषि के लक्ष्य को साकार करने का आह्वान किया।

कलयुग केवल नाम अधारा सुमरि सुमरि भव उतरहि पारा

○ **टीएनएफ टुडे, आगरा।**

ब्रजभूमि धर्मार्थ संस्था,आगरा।

द्वारा चल रही श्रीमद् भागवत कथा में द्वितीय दिवस पर एक ब्रह्म राकेश जी ने ब्यासपीठ से

कथा में राम से अधिक राम के नाम की महिमा का महत्व बताया ।

भगवान राम के गुणगान और उनकी महिमा के बारे में बताते हुए कहा कि कलयुग में हजारों



अवगुण होने के उपरांत भी एक विशेष गुण है कि कितना भी घोर पापी अगर भूल से भी प्रभु का नाम जप कर ले तो उसके समस्त पापों का नष्ट हो जाना सुनिश्चित है।

जो फल जप तप साधन से भी प्राप्त होना संभव नही है वह नाम जपने से सहज ही प्राप्त हो जाता है गोस्वामी जी कहते हैं। कलयुग केवल नाम अधारा सुमिर सुमिर भव उतरही पारा ।

कपिल मुनि ने मां देवहुति से कहा निष्काम भक्ति ही प्राणों को मोक्ष का मार्ग दे सकती है। इस अवसर पर आरती में नंदी महाजन, पार्षद सुषमा जैन ,विशेष रूप से उपस्थित रहे।

डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय में ‘सैमसंग इनोवेशन कैंपस 2026’ का शुभारंभ

850 विद्यार्थियों को अकओर Gen AI में 300 घंटे से अधिक का प्रशिक्षण, कुलपति ने IoT लैब की स्थापना का किया आह्वान

○ टीएनएफ टुडे, आगरा।

डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय के स्वामी विवेकानंद परिसर स्थित इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी खंदारी के शिवाजी मंडपम में शनिवार को सैमसंग इनोवेशन कैंपस 2026 का भव्य शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण, दीप प्रज्वलन एवं ललित कला संस्थान के विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत सरस्वती वंदना के साथ हुआ।

विश्वविद्यालय, सैमसंग और स्वदेश संस्था के बीच हुए एमओयू

क्षमावाणी पर्व पर रक्तदान से लेकर मेधावी विद्यार्थियों का होगा सम्मान

श्री अग्रवाल दिगंबर जैन महासभा का दो दिवसीय होगा वार्षिक क्षमावाणी पर्व

○ टीएनएफ टुडे, आगरा।

श्री अग्रवाल दिगंबर जैन महासभा की ओर से वार्षिक क्षमावाणी पर्व एवं सम्मान समारोह का आयोजन चार और पांच अक्टूबर को कमला नगर स्थित महाराजा अग्रसेन सेवा सदन में किया जाएगा। शनिवार को दो दिवसीय आयोजन के पोस्टर का विमोचन हरिपर्वत स्थित एमडी जैन इंटर कॉलेज में महासभा के पदाधिकारियों ने किया।

अध्यक्ष पारस जैन ने बताया कि चार अक्टूबर को प्रथम दिन प्रातः 11 बजे से रक्तदान शिविर, बच्चों के लिए चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन होगा। दोपहर एक बजे महासभा की साधारण सभा की बैठक में संस्था के वार्षिक लेखा-जोखा पर विचार-विमर्श किया जाएगा।

रुक्मिणी ने मन ही मन कृष्ण को चुना, प्रभु ने रचाया दिव्य विवाह

छठवे दिन कंस उद्धार और रुक्मणी विवाह के हुए प्रसंग



○ टीएनएफ टुडे, आगरा।

प्राचीन श्रीनाथ जी मंदिर में चल रही कथा में छठवे दिन कंस उद्धार और रुक्मणी विवाह प्रसंग का वर्णन किया गया। व्यासपीठ से सुभाष चन्द शास्त्री महाराज ने कहा कि श्रीकृष्ण और रुक्मणिजी का विवाह अपने आप में अनूठा है। रुक्मणी विदर्भ देश के राजा भीष्म की पुत्री और साक्षात लक्ष्मी का अवतार थी। रुक्मणी ने जब देवर्षि नारद के मुख से कृष्ण के रूप, सौंदर्य एवं गुणों की प्रशंसा सुनी तो उसने मन ही मन भगवान श्रीकृष्ण से विवाह करने का निश्चय किया। इस दौरान प्रभु को कुछ परेशानियों का सामना भी करना पड़ा, लेकिन वे स्वे का था के नहीं और अंततः उन्होंने रुक्मणि जी से विवाह किया। भगवान की महारास लीला इतनी दिव्य है कि स्वयं भोलेनाथ उनके बाल रूप के दर्शन करने के लिए



प्रभाव कई गुना बढ़ता है। उन्होंने कहा कि अक, क्यूब, बिग डेटा और क्लाउड कंप्यूटिंग के दौर में तकनीकी दक्षता आत्मनिर्भरता और राष्ट्र निर्माण की महत्वपूर्ण

आधारशिला है। उन्होंने विद्यार्थियों को हार्डस्कल विद टेक्नोलॉजीज़ के साथ हार्डस्कल विद वैल्यूज़ के अपनाने तथा तकनीक का उपयोग समाज की समस्याओं के समाधान

भारत विकास परिषद 'समर्पण' आगरा द्वारा गुरु वंदन छात्र अभिनंदन कार्यक्रम का भव्य आयोजन

आगरा। श्यामलाल सरस्वती शिशु-विद्या मंदिर, यमुना ब्रिज, आगरा में भारत विकास परिषद 'समर्पण' शाखा, आगरा के तत्वावधान में सत्र 2026-27 के लिए "गुरु वंदन छात्र अभिनंदन" कार्यक्रम का गरिमायी एवं भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ श्री नितिन गोयल श्री समीर जैन, श्री उमंग गोयल श्रीमती रित्ता गर्ग, श्रीमती अंजली अग्रवाल जी श्री संजीव दोमेरिया, श्री प्रदीप सिंघल, श्रीमती संगम सिंघल, श्री अंकित गर्ग एवं प्रधानाचार्य श्री उत्तम सिंह द्वारा मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर एवं सरस्वती वंदना के साथ किया गया। तत्पश्चात विद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा मनमोहक एवं रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं, जिसने उपस्थित सभी अतिथियों का मन मोह लिया। कार्यक्रम के दौरान मेधावी छात्र-छात्राओं को उनकी उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए उपहार प्रदान कर सम्मानित एवं प्रोत्साहित किया गया। इसके साथ ही 'गुरु महिमा' का सुंदर वर्णन करते हुए समाज व राष्ट्र निर्माण में शिक्षकों के अमूल्य योगदान की सराहना की गई। परिषद द्वारा विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री उत्तम सिंह, सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं तथा कार्यरत कर्मचारियों को उपहार भेंट कर सम्मानित किया गया।

इंटरमीडिएट, सीए एवं सीएस के मेधावी विद्यार्थियों को भी मेधावी सम्मान प्रदान किया जाएगा। समारोह में मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद नवीन जैन होंगे। संचालन अजय जैन गर्ग ने किया। इस अवसर पर पवन जैन, सुभाष चंद जैन, राजीव जैन टोपी, रविंद्र जैन, विष्णु भगवान जैन, वीरेंद्र जैन, धर्मेन्द्र जैन, संजीव जैन, राजेश गोयल, संजय जैन, दीपक जैन, दिनेश जैन, मनोज जैन, मोहित जैन, अभिषेक जैन, मुकुल जैन आदि मौजूद रहे।

सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने किया जिला कारागार का निरीक्षण, बंदियों को दी जा रही सुविधाओं को परखा

• **पात्र और पैरवी से वंचित बंदियों को तत्काल निःशुल्क विधिक सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश**
• **जेल प्रशासन को बंदियों के साथ मानवीय एवं संवेदनशील व्यवहार बनाए रखने की दी सख्त हिदायत**

○ टीएनएफ टुडे, आगरा।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण आगरा के पूर्णकालिक सचिव पंकज कुमार-क ने शनिवार को जिला कारागार का औचक निरीक्षण कर प्रशासनिक व स्वास्थ्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने जेल में बंद बंदियों को मिल रही मूलभूत सुविधाओं, भोजन



की गुणवत्ता, साफ-सफाई और चिकित्सा सेवाओं की गहनता से समीक्षा की। विधिक अधिकारों के प्रति किया गया जागरूक निरीक्षण के दौरान डीआईजी जेल पी.एन. पाण्डेय, कारापाल एवं उपकारापाल की मौजूदगी में सचिव पंकज कुमार-कने बैरकों का भ्रमण

रचनात्मकता और आत्मविश्वास विकसित करना है। उन्होंने विद्यार्थियों को Competence, Creativity AnSX Character के तीन सूत्र अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि प्रथम चरण के 850 विद्यार्थी केवल लर्नर नहीं, बल्कि 850 नए विचार और नवाचार की संभावनाएं हैं। कुलपति ने सैमसंग से विश्वविद्यालय में शीघ्र क्यूब लैब स्थापित करने का भी आग्रह किया, जिससे विद्यार्थियों को हैंड्स-ऑन प्रशिक्षण और बेहतर प्लेसमेंट के अवसर मिल सकें।

सैमसंग के कॉरपोरेट वाइस

एमएलसी चुनाव: आगरा में भाजपा का शक्ति प्रदर्शन, दोनों प्रत्याशियों ने दाखिल किया नामांकन

○ टीएनएफ टुडे, आगरा।

उत्तर प्रदेश विधान परिषद (एमएलसी) चुनाव के तहत शनिवार को भारतीय जनता पार्टी ने आगरा में जोरदार शक्ति प्रदर्शन करते हुए आगरा खंड शिक्षक और स्नातक सीट के प्रत्याशियों का नामांकन दाखिल कराया। प्रतापपुरा स्थित मैरिज होम में आयोजित भव्य कार्यक्रम में आगरा खंड के अंतर्गत आने वाले 12 जिलों के भाजपा पदाधिकारी, सांसद, विधायक और जनप्रतिनिधि जुटे।

नामांकन में दिखा भाजपा का विशाल काफिला

प्रतापपुरा में आयोजित कार्यक्रमों सम्मेलन के बाद भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं केन्द्रीय मंत्री पंकज चौधरी की मौजूदगी में शिक्षक सीट के प्रत्याशी ई. हरि किशोर तिवारी के प्रत्याशी डॉ.



मानवेंद्र प्रताप सिंह मंडलायुक्त कार्यालय पहुंचे और अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। इस दौरान पार्टी कार्यकर्ताओं का लंबा काफिला व वाहनों की कतारें करीब दो किलोमीटर तक नजर आईं।

कार्यकर्ताओं से बोले प्रदेश अध्यक्ष-प्रतिष्ठा दांव पर

सम्मेलन को संबोधित करते हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद यह उनका पहला चुनाव है, इसलिए इसमें उनकी मान-प्रतिष्ठा भी दांव पर लगी है। उन्होंने 12 जिलों से आए कार्यकर्ताओं का आह्वान किया कि वे चुनाव को छोटा न

■ **शिक्षक सीट पर ई. हरि किशोर तिवारी और स्नातक सीट पर डॉ. मानवेंद्र प्रताप सिंह बने भाजपा उम्मीदवार**
■ **‘प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद यह मेरा पहला चुनाव, मेरी प्रतिष्ठा भी दांव पर’ –पंकज चौधरी**

समझें, क्योंकि इसके मायने बहुत बड़े हैं। उन्होंने घर-घर जाकर मतदाताओं से संपर्क साधने और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चल रहे ‘सेवा संकल्प अभियान’ के माध्यम से माहौल बनाने के निर्देश दिए।

अखिलेश यादव पर तंज

पत्रकारों से वार्ता करते हुए पंकज चौधरी ने 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के चारों तरफ तंज कसा और कहा कि मुंगेरिलाल के सपने तो कोई भी देख सकता है। उन्होंने दावा किया कि 2027 में भाजपा एक बार फिर प्रचंड बहुमत

सकुशल बरामद किया गुमशुदा बालक शिवम, परिजनों में खुशी की लहर

आगरा। थाना अछनेरा पुलिस ने त्वरित कार्रवाई और तकनीकी साक्ष्यों की मदद से एक बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस टीम ने मात्र 24 घंटे के भीतर गुमशुदा बालक शिवम को कासगंज से सकुशल बरामद कर लिया है। बच्चे के सही-सलामत मिलने से परेशान परिजनों ने राहत की सांस ली है और पुलिस प्रशासन का आभार जताया है। सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी साक्ष्यों से मिला सुराग-प्राप्त जानकारी के अनुसार, थाना अछनेरा पर दिनांक 02 अक्टूबर 2026 को मुकदमा अपराध संख्या (मु0अ0स0) 266/2026, धारा 137(2) बीएनएसएस (भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता) के तहत बालक शिवम की गुमशुदगी का मामला पंजीकृत किया गया था। मामला दर्ज होते ही अछनेरा पुलिस तुरंत एक्शन में आ गई। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर तत्काल विशेष टीमों का गठन किया गया। पुलिस टीमों ने तत्परता दिखाते हुए क्षेत्र के विभिन्न स्थानों, प्रमुख चौराहों, गांवों के रास्तों और रेलवे स्टेशन आदि पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज को खंगालना शुरू किया। सीसीटीवी फुटेज के गहन विश्लेषण, लगातार सुरागरसी-पतारसी और अथक प्रयासों के बाद पुलिस को बालक के कासगंज में होने का अहम सुराग मिला। परिजनों को सुपुर्द करने की कार्रवाई जारी-तकनीकी साक्ष्यों और धरातलीय इनपुट के आधार पर पुलिस टीम ने बिना समय गंवाए कासगंज में छापेमारी कर गुमशुदा शिवम को सकुशल बरामद कर लिया। थाना प्रभारी ने बताया कि बालक पूरी तरह सुरक्षित है और उसे कानूनी प्रक्रिया पूरी कर परिजनों के सुपुर्द किए जाने की कार्रवाई की जा रही है।



बाद पार्टी नेतृत्व ने उन्हें आगरा खंड शिक्षक सीट से अधिकृत प्रत्याशी घोषित कर दिया। वर्ष 2020 में भाजपा प्रत्याशी को दी थी शिकस्त



डॉ. आकाश अग्रवाल के पक्ष में सबसे अहम पहलू उनका पिछला चुनावी प्रदर्शन माना जा रहा है। वर्ष 2020 के एमएलसी चुनाव में उन्होंने निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में

चुनाव लड़ते हुए भाजपा उम्मीदवार दिनेश चंद्र वशिष्ठ को 2,376 वोटों के अंतर से पराजित किया था। उस चुनाव में डॉ. आकाश को 6,690 वोट मिले थे, जबकि भाजपा प्रत्याशी को 4,314 वोट प्राप्त हुए थे। अब वे सपा के चुनाव चिह्न पर चुनावी मैदान में उतरेंगे।

गोरखपुर-फैजाबाद सीट पर भी बड़ा फेरबदल सेना ने गोरखपुर-फैजाबाद शिक्षक सीट पर भी रणनीति बदलते हुए भाजपा से टिकट के प्रबल दावेदार रहे डॉ. संजयन त्रिपाठी को

अपना प्रत्याशी बनाया है। भाजपा से टिकट न मिलने के बाद डॉ. संजयन त्रिपाठी सपा में शामिल हो गए, जिसके बाद पार्टी ने कमलेश यादव का टिकट काटकर उन्हें मैदान में उतार दिया है।

सपा द्वारा अंतिम समय में किए गए इन दोनों बदलावों से प्रांतीय राजनीति में हलचल तेज हो गई है। खासकर आगरा खंड शिक्षक सीट पर वर्तमान निर्दलीय विधायक को सपा का संबल मिलने से इस बार का मुकाबला बेहद दिलचस्प और कड़ा होने की संभावना है।

टीएनएफ टुडे मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड के लिए **धीरज शर्मा** द्वारा श्रीराम मार्केट फूलपुर अड़ड़ा, देवरी रोड, फतेहाबाद आगरा से प्रकाशित एवं मुद्रक पवन पाठक द्वारा इम्प्रीशन प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड गुरु का ताल सिकंदरा रोड आगरा से मुद्रित।

संपादक: धीरज शर्मा, फोन: 9412359817, E mail: tnftoday.com@gmail.com वेबसाइट: www.tnftoday.com पंजीयन नं. UPHIN/25/A3702 (संपादक इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.पी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।)

 सम्पादकीय
संकट के समय मानवीय साहस और दुर्बई के भारतीय पायलट की प्रेरक कहानी आज के इस भागदौड़ भरे और आत्मकेन्द्रित होते दौर में जब अधिकांश लोग केवल अपनी सफलताओं और व्यक्तिगत हितों के दायरे में सिमटे नजर आते हैं, तब कभी-कभी कोई ऐसा साधारण ईंसान अपनी असाधारण वीरता से सामने आता है जो पूरी मानवता को झकझोर कर रख देता है। हाल ही में संयुक्त अरब अमीरात यानी दुबई से एक ऐसा ही प्रेरणादायी और दिल को छू लेने वाला मामला सामने आया है जहाँ एक भारतीय मूल के विमान चालक ने अपनी जान की परवाह किए बिना अपनी अक्मदनीय सूझबूझ और अदम्य साहस से सैकड़ों मासूम यात्रियों की जिंदगियों को एक संभावित बड़े विमान हादसे से सुरक्षित बचा लिया। इस घटना ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि जब कर्तव्यनिष्ठा और ईंसानियत का जन्मा सर्वोपरि हो, तो एक अकेला व्यक्ति भी हजारों जिंदगियों का मसीहा बन सकता है। इस साहसिक और हृदयस्पर्शी घटना की गूंज केवल विदेश तक सीमित नहीं रही, बल्कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी कल उस वीर भारतीय पायलट से वीडियो कॉल के माध्यम से व्यक्तिगत रूप से बात करके उसकी असीम बहादुरी और पेशेवर दक्षता की खुलकर सराहना की। प्रधानमंत्री द्वारा एक आम नागरिक और सच्चे कर्मयोगी की इस प्रकार पीठ थपथपाना इस बात का स्पष्ट प्रमाण है कि भारत सरकार अब उन प्रवासियों और विदेश में देश का नाम रोशन करने वाले सच्चे सपूतों के योगदान को कितनी गहराई से सम्मान देती है। जब दुनिया के किसी भी कोने में कोई भारतीय अपने असाधारण कार्य से देश की प्रतिष्ठा को चार चांद लगाता है, तो पूरा राष्ट्र गर्व से भर जाता है। तथापि, इस घटना से हमें केवल एक रोमांचक समाचार नहीं मिलता, बल्कि यह सोचने पर भी मजबूर होना पड़ता है कि आज के दौर में पेशेवर ईमानदारी और कर्तव्यपरायणता का स्तर क्या होना चाहिए। संकट के उन कुछ पलों में जब विमान का हर यात्री मौत के मुँह में खड़ा था, तब उस पायलट ने अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा के बजाय यात्रियों की संरक्षा को अपना पहला धर्म माना। आज जब हमारे समाज में नैतिक मूल्यों का क्षरण हो रहा है और लोग अपनी जिम्मेदारियों से भागने लगे हैं, तब ऐसे नायक हमारी युवा पीढ़ी के लिए एक जीवंत मिसाल पेश करते हैं। उम्मीद की जानी चाहिए कि दुर्बई के इस साहसी भारतीय पायलट की यह गाथा न केवल देश-विदेश के युवाओं को अपनी जिम्मेदारी पूरी निष्ठा से निभाने के लिए प्रेरित करेगी, बल्कि यह भी दिखाएगी कि सच्चा भारतीय चरित्र विपरीत से विपरीत परिस्थितियों में भी हार नहीं मानता और हमेशा दूसरों के जीवन को प्रकाशमान करने का मार्ग चुनता है।

अनसुने प्रसंग– क्षेपक कथा

श्रीकृष्ण ने अपनी ही माता के सामने किया था पूर्वजन्म के उस असहनीय श्राप का रहस्योद्घाटन

श्रीमद्भागवत महापुराण भारतीय सनातन संस्कृति का वह अलौकिक ग्रंथ है जिसमें भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं और उनके दिव्य रहस्यों के ऐसे-ऐसे प्रसंग दर्ज हैं जो आम जनमानस के बीच बहुत कम प्रचलित हैं। इस ग्रंथ में भगवान के मनुष्य रूप में आने के पीछे छिपे उन गहरे कर्मसिद्धांतों और रहस्यों का उद्घाटन मिलता है, जिन्हें बड़े-बड़े ऋषि-मुनि भी आसानी से नहीं समझ पाते। ऐसा ही एक अत्यंत दुर्लभ और मर्मस्पर्शी प्रसंग वासुदेव और देवकी के कारागार से छूटने के पश्चात द्वारकापुरी के प्रारंभिक दिनों का है, जब स्वयं भगवान श्रीकृष्ण ने अपनी माता देवकी के एक असहज प्रश्न का उत्तर देते हुए अपने पूर्वजन्म के उस श्राप की कथा सुनाई थी जिसके कारण उन्हें अपनी ही माता के गर्भ की यात्रा और कारावास की यातना सहनी पड़ी थी। घटना द्वारका नगरी के उस शांत प्रहर की है जब माता देवकी और वासुदेव जी अपने समस्त पुत्रों के साथ सुखपूर्वक रह रहे थे। एक दिन माता देवकी के मन में एक गहरा वास्तव्य जनि्त क्षोभ और जिज्ञासा उठी। उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण और बलराम को अपने पास बैठाया और भरपूर गले से कहा- “हे पुत्र, तुमने अपने असुर मामा कंस के कारागार में जन्म लेते ही जो भयंकर कष्ट सहे और जन्म के तुरंत बाद ही मुझे छोड़कर गोकुल में यशोदा के पास जाना पड़ा, उस जुदाई का जो दर्द मैंने सहा है, वह आज भी मेरे हृदय को चीर देता है। क्या तुम्हारे पास इस सृष्टि की हर शक्ति होने के बावजूद हमें वे चौदह वर्ष का असहनीय कारावास और तुम्हारे वियोग का वह दुःख क्यों भोगना पड़ा?” माता देवकी के उस प्रश्न में एक माँ की वह पीड़ा छिपी थी जो हर युग में मातृत्व के सबसे बड़े संताप को दर्शाती है। भगवान श्रीकृष्ण ने अत्यंत गंभीर और विनम्र मुस्कान के साथ अपनी माता के दोनों गेथ अपने हाथों में लिए और जो रहस्य खोला, वह श्रीमद्भागवत के अत्यंत गोपनीय और अनसुने आख्यानों में से एक है। प्रसंग के अनुसार, श्रीकृष्ण ने अपनी माता को संबोधित करते हुए कहा- हे माता, इस संसार में कोई भी घटना बिना किसी पूर्व कर्म के घटित नहीं होती। सतयुग या त्रेतायुग के किसी काल में शतधनु और पूषीन नामक एक प्रजापति दंपति ने भगवान को पाने के लिए अत्यंत कठोर तपस्या की थी। तब मैंने उनकी तपस्या से प्रसन्न होकर उन्हें वरदान दिया था कि मैं स्वयं उनके पुत्र के रूप में उनके यहीं जन्म लूँगा। उस समय उन्होंने मुझसे तीन जन्मों तक पुत्र रूप में आने का वरदान मांगा था। श्रीकृष्ण ने आगे रहस्य खोलते हुए कहा- “उसी क्रम में सतयुग में हम पुरिणमर्भ हुए, त्रेतायुग में कौशल्या के यहाँ राम के रूप में प्रकट हुए और इस द्वारप युग में हम देवकी और वासुदेव के यहाँ वसुदेव और देवकी के रूप में आए। किंतु पूर्वजन्म के उन वचनों और कर्मों के कारण जब तुम्हारे द्वारा लिए गए कुछ अपराधों और वियोग के संकल्पों का संतुलन होना बाकी था, तब मुझे भी उन नियमों का पालन करना पड़ा। कंस के कारागार में तुम्हारे छह बालकों का मारा जाना और तुम्हें वह असहनीय वियोग सहना पड़ना, वास्तव में उसी पूर्वजन्म के चक्र का परिणाम था जिसे भुगताना अनिवार्य था।”

 सितारों की चाल: आपका भविष्यफल	
कल का दिन कैसा होगा? इसकी तैयारी आज ही करें!	
	
मेघ आज कार्यक्षेत्र में आपको अपनी कड़ी मेहनत का पूरा फल मिलेगा और वरिष्ठ अधिकारियों का भरपूर सहयोग प्राप्त होगा। आर्थिक मामलों में किए गए निवेश से भविष्य में बड़ा लाभ मिलने के योग बन रहे हैं। भगवान शिव की बेलपत्र अर्पित करें जिससे आपके सभी संकट दूर हों।	
वृष आज आपकी राशि पर चंद्रमा की विशेष कृपा रहने के कारण व्यापार में कोई बड़ी डील फाइनल हो सकती है। परिवार के साथ किसी शांत स्थान पर समय बिताने का अवसर मिलेगा जिससे मन प्रसन्न रहेगा। किसी जरूरतमंद को सफेद वस्त्र या चावल का दान करें जिससे आपके भाग्य के द्वार खुलेंगे।	
मिथुन आज आपकी वाणी की प्रभावशीलता से आपके रुके हुए कार्य तेजी से गति पकड़ेंगे और लोग आपकी कार्यशैली की सराहना करेंगे। विद्यार्थियों के लिए दिन अनुकूल रहेगा और उच्च शिक्षा में सफलता मिलेगी। शिव मंदिर में जाकर दीपक प्रज्वलित करें जिससे आपकी बौद्धिक क्षमता और अधिक प्रखर होगी।	
शुभकार्य हेतु आज का चंद्रबल आज वृषभ कर्क कन्या वृश्चिक मकर और मीन राशि के जातकों का मानसिक मनोबल और भाग्य का संबल अत्यंत उत्तम रहेगा। सोमवार का दिन देवों के देव महादेव भगवान शिव तथा चंद्रदेव की आराधना के लिए परम पवित्र और अक्षय फलदायी माना जाता है। आज के दिन शिवलिंग पर कच्चा दूध और जल अर्पित करने तथा महामृत्युंजय मंत्र का जाप करने से जीवन के सभी कष्ट दूर होते हैं और मानसिक शांति प्राप्त होती है।	

सुनो क्या कहती है प्रकृति: प्रकृति का प्रेम तंत्र

○ डॉ. दीपक गोस्वामी

प्रकृति बोलती नहीं, फिर भी सबसे अधिक वही बोल रही है। सूखी नदी उसकी खामोश चीख है, फटती धरती उसका पत्र है, कटता जंगल उसकी चेतावनी है और बदलता मौसम उसका संदेश। प्रश्न यह नहीं कि प्रकृति क्या कह रही है; प्रश्न यह है कि मनुष्य अपनी सुविधाओं के शोर में उसे सुनना कब शुरू करेगा?

भारतीय मनीषा ने पृथ्वी को कभी निर्जीव संपत्ति नहीं माना। अथर्ववेद का उद्धोष है—ह्रमाता भूमि: पुत्रोऽहं पृथिव्याःह्र—पृथ्वी मेरी माता है और मैं उसका पुत्र हूँ। इस एक वाक्य में मनुष्य और धरती का पूरा संबंध समाया है। पुत्र माँ का स्वामी नहीं होता। वह उससे लेता है, लेकिन उसकी रक्षा भी करता है। वह माँ को निचोड़ता नहीं, उसका ऋण चुकाने का प्रयास करता है।

संत कबीर ने इसी जीवन-सत्य को मिट्टी के माध्यम से कह दिया—ह्रमाटी कहे कुम्हार से, तू क्या रौंद मोय ढ़ाह यह केवल मिट्टी और कुम्हार का संवाद नहीं, मनुष्य और प्रकृति का आईना है। आज मनुष्य ने मिट्टी को रौंदने से आगे बढ़कर उसे रसायनों, अंधाधुंध दोहन और असंतुलित उपयोग से थका दिया है। परिणाम सामने हैं—मिट्टी की उर्वरता पर दबाव, जलस्रोतों का क्षरण, भूजल का संकट, जैव-विविधता में कमी और मौसम का बढ़ता असंतुलन।

प्रकृति बदला नहीं लेती; वह परिणाम देती है। बीज जैसा होगा, फसल वैसी होगी। व्यवहार जैसा होगा, परिणाम वैसा होगा। यही प्रकृति का मौन न्याय है।

इसी सत्य को श्रीकृष्ण के जीवन में अद्भुत सांस्कृतिक रूप मिलता है। वे योगेश्वर हैं, लेकिन गोपाल भी हैं। वे रणभूमि के सारथी हैं, लेकिन गोकुल की धूल में खेलने वाले कृष्ण भी हैं। वे गोवर्धन से जुड़े



हैं, यमुना से जुड़े हैं, गौ और ग्राम्य जीवन से जुड़े हैं। गीता में वे कहते हैं—ह्रअश्वत्थः सर्ववृक्षाणाम्ह्र—वृक्षों में मैं अश्वत्थ हूँ।

यह कथन केवल धार्मिक प्रतीक नहीं, प्रकृति में दिव्यता देखने की दृष्टि है।

जिस समाज ने वृक्ष में देवत्व देखा, नदी में मातृत्व देखा और पृथ्वी में जननी का भाव रखा, उसने प्रकृति के साथ संबंध को केवल उपयोगिता तक सीमित नहीं रहने दिया। आज चुनौती यही है कि उस भाव को केवल पूजा तक न रखें, व्यवहार तक पहुँचाएँ।

हम मंदिर में ईश्वर खोजते हैं, लेकिन ईश्वर की बनाई हुई सृष्टि को कितनी बार बचाते हैं?

वृक्ष के सामने दीपक जलाना सरल है; वृक्ष बचाना कठिन। नदी को प्रणाम करना सरल है; उसमें गंदगी न डालना कठिन। गौ की पूजा सरल है; उसके लिए चारा और आश्रय की व्यवस्था करना कठिन। प्रकृति-प्रेम का असली परीक्षण भावना में नहीं, व्यवहार में होता है।

गीता का सूत्र है—ह्रअन्नाद्धर्वात् भूतानिह्र—अन्न से प्राणी जीवन पाते हैं। अन्न मिट्टी, जल, सूर्य, वायु और किसान के श्रम से जुड़ा है। इसलिए खेत केवल उत्पादन की भूमि नहीं, जीवन की प्रयोगशाला है। मिट्टी कमजोर होगी तो खेती पर असर पड़ेगा; जल संकट बढ़ेगा तो अन्न-सुरक्षा प्रभावित होगी; जैव-विविधता

सारी सड़कें रोम जाती हैं, मगर दिल भारत के लिए तड़पता है जहाँ साम्राज्य खत्म हुए, मगर दोस्तियाँ शुरू हो गईं

○ बुज खंडेलवाल द्वारा

रोम को सिर्फ इतिहास पढ़ना नहीं आता। वह इतिहास को पहनता है, पुरानी दीवारों, खंडहरों, फव्वारों, सड़कों और इमारतों पर ऐसे, जैसे कोई बुजुर्ग नवाब अपना थोड़ा घिसा मगर बेहद महँगा शेरवानी पहनकर बैठा हो। कुछ दिन रोम की वास्तुकला और पुरानी इमारतों के बीच घूमने के बाद एक बात साफ हो जाती है, रोम एक दिन में तो नहीं बन सकता था। इसे बनाने में सदियों लगी। युद्ध हुए, फतहें हुईं, बादशाह आए और गए, सांजिशें हुईं, हत्याएँ हुईं, वीरगाथाएँ लिखी गईं और न जाने कितने इतालवी लोगों ने बहस करते-करते शायद ऋष४३ की दीवारें भी हिला दी होंगी। कहावत है, सारी सड़कें रोम जाती हैं। इस कहावत ने मुझे ताज नगरी के एक भुला दिए गए किस्से की याद दिला दी। कहते हैं, कभी दूर किसी धूल भरे गाँव में लोला नाम का एक खुशामिजाज, मगर थोड़ा कम-अकल आदमी रहता था। सपने बड़े थे, जब छोटी थी और मुँह दोनों से बड़ा। एक सुबह उसने एलान कर दिया, मैं दुनिया घूमने निकल रहा हूँ। जिसके पास जवान है, वह रोम जा सकता है। और मेरी जवान तो रुकने का नाम ही नहीं लेती! गाँव वाले हँस पड़े। बूढ़े नब्बू ने उसके सिर पर हाथ फेरते हुए कहा, बेटा, रोम भी कदम-कदम चलकर ही पहुँचा जाता है। अपनी बकबक के सहारे उड़ने की कोशिश मत करना। लोला चल पड़ा। ऊँची सड़क ली, नीची सड़क ली, कीचड़ वाली सड़क ली और आखिर में बकरियों की पगडंडी भी पकड़ ली। कोई पछुता, कहीं जा रहे हो? लोला छाती फुलाकर कहता, रोम! आखिर सारी सड़कें रोम जाती हैं। हफ्ते बीत गए। जुते घिस गए। पेट ने धरना दे

दिया। जब ऐसी हल्की हुई जैसे चुनाव के बाद नेता का वांव। लेकिन लोला चलता रहा। रोम एक दिन में नहीं बना था, वह खुद को समझाता। तो पहुँचना भी एक दिन में जरूरी नहीं। आखिर एक दिन रोम सामने था। धूप में चमकता हुआ शायरत शहर। लोला सीधे एक रेस्तराँ में घुसा और सबसे बड़ी प्लेट पास्ता मँगाई। वेटर ने उसके कीचड़ से सने जुते और खुशी-खुशी गाते चेहरे को देखकर शक की निगाह डाली। लोला ने आँख मारी, जब रोम में हो तो रोम वालों जैसा ही करो। एक प्लेट और मँगाई। फिर तीसरी। यहीं लोला को रोम का सबसे बड़ा राज समझ आया। रोम ने कभी दुनिया पर राज किया था, लेकिन अब वह पर्यटकों की जेब पर राज करता है। रेस्तराँ हो, दुकान हो, गाइड हो या कोई मुस्कुराता हुआ अजनबी, सबकी जुबान पर एक ही प्राचीन रोमन शब्द था, युरो! लोला की जेब घंटे-दर-घंटे हल्की होती गई। उसने आह भरकर कहा, पहले रोम ने दुनिया जीती। अब रोम मुझे जीत रहा है। बाद में वह सेंट पीटर स्क्वायर पहुँच गया। वहाँ एक भव्य धार्मिक जुलूस चल रहा था। लोला ने पृष्ठ, पोप साहब आसपास हैं क्या? एक गंभीर कार्डिनल ने उसे पूरकर देखा। लोला तुरंत संभल गया, अच्छ-अच्छ, समझ गया। रोम में रहना है तो पोप से पंगा नहीं लेना चाहिए। फिर बोला, कैसे रोम का पोप बनना तो सबके बस की बात नहीं। मैं तो ऐसा आदमी बनूँगा जो सस्ता पास्ता बेचता हो। शाम तक लोला थककर चूर हो गया और लगभग खाली जेब लेकर कोलोसियम के पास जा बैठा।

एक सड़क कलाकार वायलिन बजा रहा था और पर्यटक उसके सामने सेल्फी खींच रहे थे। लोला हँस पड़ा। नीरो ने रोम में आग लगने के समय वायलिन बजाया था। आज यह भाई साहब पर्यटकों के क्रेडिट कार्ड जलते समय वायलिन बजा रहे हैं! कलाकार मुस्कुराया। शायद यही रोमन तरीका है। पास ही कुछ पर्यटक कभी५ ऋष४ल्ल३ल्ल का से सने जुते और खुशी-खुशी गाते भरोसा कर रहा था, दूसरा ऋद्वर पर और तीसरा दावा कर रहा था कि उसे रोम की रहस्यमयी आत्मिक दिशा का ज्ञान है। लोला अचानक उठ खड़ा हुआ। अरे भाई, झगड़ क्यों रहे हो? सारी सड़कें रोम आती हैं और हम पहले से रोम में हैं। पास खड़ा एक Swiss Guard, जो न जाने किस रहस्यमय वेटिकन काम से वहाँ आया था, गंभीर आवाज में बोला: “Roma locuta est, causa finita est.” यानी, रोम बोल चुका। मामला खत्म। लोला दोस्ती के तारों की धुंध में खो गया। संदेश समझ लिया, हजुर! और इस तरह लोला ने रोम को जीत लिया, बिना किसी जंग के, बिना किसी सेना के और बिना कुछ जीते हुए भी सबका ध्यान जरूर जीत लिया। हमारा भी अपना रोम था हमारा Global Family समूह भी लोला से ज्यादा पीछे नहीं था। हमने भी इटली को अपने देसी अंदाज में फतह किया। रेस्तराँ जीते, होटल जीते, हाईवे जीते, हरी-भरी घाटियाँ देखीं और पहाड़ों की चोटियों तक पहुँचे। थकान को गीलों से हराया। भूख को खाने से। और लंबी बस यात्राओं को बातचीत से। हमारी बस अब सिर्फ बस नहीं रही थी। वह चलता-फिरता मोहल्ला बन चुकी थी। किसी न किसी को गाना था। कोई गणशप कर

रहा था। कोई खाने की तलाश में था। कोई बाथरूम पूछ रहा था। और कोई हर आधे घंटे बाद वही सनातन सवाल दाग रहा था: और कितनी देर है? रोम की घुमावदार सड़कों पर बस की सवारी भी किसी रोमांच से कम नहीं थी। हर मोड़ के बाद इतिहास का एक नया पन्ना खुल जाता था। हमारी रोमन सिटी-टूर गाइड भी पूरी शान से अपना फर्ज निभा रही थीं। हाँ, कभी-कभी उनका विवरण हमारी समझ से किसी दूसरी सड़क पर निकल जाता था। लेकिन इसमें भी रोम की खूबसूरती थी। अपना फर्ज निभा रही थीं। और कभी-कभी उनका विवरण हमारी समझ से किसी दूसरी सड़क पर निकल जाता था। लेकिन इसमें भी रोम की खूबसूरती थी। रोम में सड़कें ही नहीं, कमेंट्री भी भटकने की आजादी रखती हैं। लेकिन इस पूरे सफर का सबसे बड़ा आकर्षण फिर भी कोई स्मारक नहीं था। वह थी पंथिनी। कोलोसियम में पंथिनी अर्यर का पैर बुरी तरह मुड़ गया। अवानक रोमन साम्राज्य, सैडिएटर, बादशाह और प्राचीन युद्ध सब पीछे छूट गए। उस वक्त हमारे लिए दुनिया का सबसे बड़ा शतः दर्द का साम्राज्य। पंथिनी दर्द से परेशान बैठी थीं और मदद का इंतजार कर रही थीं। तभी पुनम जी एक छोटी मगर बेहद कीमती महमम की ट्यूब लेकर सामने आईं। और यही कहानी में असली रोमन टिवरस्ट आया। एक दिन पहले तक पंथिनी पूनम जी को गले और खॉसी के लिए आयुर्वेदिक गोलिएँ दे रही थीं। कल पंथिनी थीं फार्मासिस्ट। आज पुनम जी बन गई डॉक्टर। यात्रा में कर्म का हिसाब-किताब किसी अदालत में नहीं होता। वक्त आते ही हिसाब बराबर हो जाता है। न कोई अपॉइंटमेंट। न पर्ची। न फीस। बस इंसानियत। फिर आया विदाई का वक्त

 दिनांक 5 अक्टूबर 2026 सोमवार	
प्रिय पाठकों, TNF टुडे हमेशा आपकी सुविधा को सर्वोपरि रखता है। राशिफल प्रदान कर रहे हैं ताकि आप अपने महत्वपूर्ण कार्यों, बैठकों और यात्राओं की योजना आज रात ही बना सकें। सितारों की चाल की पहली सीढ़ी है।	
	
जातकों के लिए दिन अत्यंत भाग्यशाली और उपलब्धियों भरा रहेगा। दंपत्य जीवन में मधुरता बढ़ेगी और जीवनसाथी की सलाह से बड़ा लाभ होगा। किसी गरीब व्यक्ति को सफेद मिष्ठान कराएं जिससे आपके जीवन में सुख और शांति बनी रहेगी।	
वृश्चिक आज आपके सोचे हुए सभी गुप्त कार्य समय पर पूरे होंगे और लंबे समय से अटका हुआ कोई महत्वपूर्ण काम बनेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें और अनावश्यक तनाव से दूर रहें। रुद्राक्ष की माला से मंत्र जाप करें जिससे आपके सभी शत्रु शांत होंगे।	
धनु आज मित्रों और संबंधियों के सहयोग से कोई बड़ा रुका हुआ वित्तीय कार्य संपन्न हो सकता है। धार्मिक और आध्यात्मिक कार्यों में आपकी गहरी रुचि रहेगी जिससे मानसिक शांति मिलेगी। शिव चालीसा का पाठ करें जिससे आपके सभी अट-के हुए मार्ग प्रशस्त होंगे।	
मकर आज नौकरिपेशा लोगों को उच्च अधिकारियों की प्रशंसा मिलेगी और पदेन्नति से जुड़ी कोई शुभ सूचना मिल सकती है। पुराने कर्ज से मुक्ति	

 दिनांक 5 अक्टूबर 2026 सोमवार	
प्रिय पाठकों, TNF टुडे हमेशा आपकी सुविधा को सर्वोपरि रखता है। राशिफल प्रदान कर रहे हैं ताकि आप अपने महत्वपूर्ण कार्यों, बैठकों और यात्राओं की योजना आज रात ही बना सकें। सितारों की चाल की पहली सीढ़ी है।	
	
जातकों के लिए दिन अत्यंत भाग्यशाली और उपलब्धियों भरा रहेगा। दंपत्य जीवन में मधुरता बढ़ेगी और जीवनसाथी की सलाह से बड़ा लाभ होगा। किसी गरीब व्यक्ति को सफेद मिष्ठान कराएं जिससे आपके जीवन में सुख और शांति बनी रहेगी।	
वृश्चिक आज आपके सोचे हुए सभी गुप्त कार्य समय पर पूरे होंगे और लंबे समय से अटका हुआ कोई महत्वपूर्ण काम बनेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें और अनावश्यक तनाव से दूर रहें। रुद्राक्ष की माला से मंत्र जाप करें जिससे आपके सभी शत्रु शांत होंगे।	
धनु आज मित्रों और संबंधियों के सहयोग से कोई बड़ा रुका हुआ वित्तीय कार्य संपन्न हो सकता है। धार्मिक और आध्यात्मिक कार्यों में आपकी गहरी रुचि रहेगी जिससे मानसिक शांति मिलेगी। शिव चालीसा का पाठ करें जिससे आपके सभी अट-के हुए मार्ग प्रशस्त होंगे।	
मकर आज नौकरिपेशा लोगों को उच्च अधिकारियों की प्रशंसा मिलेगी और पदेन्नति से जुड़ी कोई शुभ सूचना मिल सकती है। पुराने कर्ज से मुक्ति	

सोमवार के दिन घर के उत्तर-पूर्व यानी ईशान कोण को पूरी तरह स्वच्छ रखकर वहां जल से भरा कलश स्थापित करने तथा धी का दीपक प्रज्वलित करने से घर का गंभीर वास्तु दोष समाप्त होता है तथा शिव कृपा से सकारात्मक ऊर्जा का संचार होकर सुख और समृद्धि का वास होता है।

सोमवार के दिन घर के उत्तर-पूर्व यानी ईशान कोण को पूरी तरह स्वच्छ रखकर वहां जल से भरा कलश स्थापित करने तथा धी का दीपक प्रज्वलित करने से घर का गंभीर वास्तु दोष समाप्त होता है तथा शिव कृपा से सकारात्मक ऊर्जा का संचार होकर सुख और समृद्धि का वास होता है।

400 मीटर में रामू प्रथम, कृष्णा द्वितीय और शनि तृतीय रहे। 800 मीटर में रामू प्रथम, राजकीय हार्डस्कूल वरना के शिवम द्वितीय और जना इंटर कॉलेज के मनोज तृतीय रहे। गोला फेंक में प्रवेन्द्र प्रथम, अंकुश द्वितीय और ध्रुव शर्मा तृतीय रहे। भाला फेंक में सतगुरु इंटर कॉलेज शिवसाबाद के शिवा प्रथम, जना इंटर कॉलेज के प्रवेन्द्र द्वितीय और राजकीय हार्डस्कूल जयनगर डौकी के भोला तृतीय रहे।